राज्यपाल ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, प्रगतिशील कृषकों से किया संवाद

अधिकारी टी0बी0 मरीजों को गोद लें

समूह की महिलाओं को 3 करोड 56 लाख 25 हजार का दिया चेक

नवनिर्मित प्रेक्षागृह का राज्यपाल द्वारा किया गया लोकार्पण

सभी महाविद्यालय आंगनवाडी केन्द्रो को गोद लें–
श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 10 फरवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज अपने एक दिवसीय भ्रमण के दौरान जनपद देवरिया के पुलिस लाइन में कृषि एवं विकास पर आधारित प्रर्दशनी का अवलोकन किया। इसके पूर्व उन्होंने वहां लगाये गये स्टाल एवं प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस लाइन स्थित नवनिर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय आजीविका मिशन, प्रगतिशील कृषकों, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के लाभार्थियों से संवाद किया तथा आकांक्षा समिति, कृषि, एन0आर0एल0एम0, प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण व क्षय रोग से जुड़े विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 3 करोड 56 लाख 25 हजार रूपये का प्रतीक चेक भी राज्यपाल द्वारा दिया गया।

राज्यपाल ने कहा कि क्षय ग्रस्त बच्चों को गोद लें और उनका समुचित इलाज कराये। उन्हें पौष्टिक आहार के तहत मूंगफली, चना और फल दें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सहित सभी प्रबुद्वजन इस कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने 28 रोगियों को कंबल व दवा किट आदि भी दिया।

विद्युत बिल के संग्रह हेतु समूह की महिला राधा कुशवाहा व रिन्कु देवी को थर्मल प्रिन्टर, प्रतिभा देवी व शीला देवी, रतन देवी, वर्फी देवी सहित स्वयं सहायता समूह की 5 महिलाओं को सामूदायिक शौचालय की चाबी दी गयी। इसके साथ ही राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के 5–5 लाभार्थियों को आवास की चाबी दी।

राज्यपाल ने कहा कि हमें सोच बदलनी चाहिये। बच्चो व रोगियों को पौष्टिक आहार में हम क्या खिलाते है यह देखना चाहिये। सबसे ज्यादा ऐसे रोगियों को प्रेम की आवश्यकता

होती है। अगर चिकित्सक ऐसे रोगियों के घर जायेगे तो घर वाले भी इनका ध्यान रखने के लिये प्रेरित होगें। उन्होंने कहा कि स्वयं मजबूत बनें और बच्चो को भी मजबूत बनायें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पहले महिलाओं को अवसर नही मिलता था। स्वयं सहायता समूह बनने से पूरे देश की महिलाएं जागरुक हुई हैं। उनमें टेलेन्ट दिखा। अलग–अलग क्षेत्रों में अच्छे कार्य करने लगी। महिलाये जो भी कार्य करती हैं, मन से और समय से करती है। इसलिये महिलाएं सफल हुई हैं। महिलाओं को सशक्त और बेटी को पढ़ाना चाहिये। अब यह परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को अपना कर महिलायें उनसे जुडी हुईं हैं। उन्होंने कहा कि संचालित योजनाओं का प्रचार–प्रसार भी यदि महिलाओं के माध्यम से हो, तो काफी जागरुकता आयेगी। इसके लिये उन्होने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की योजनाओं की आपस में चर्चा करने तथा लोगों को उसे बताये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कन्या सुमंगला योजना राज्य सरकार की अच्छी योजना है, इससे महिलाओं में साक्षरता बढ़ेगी। इसे स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से आगे बढाना चाहिये। आयुष्मान भारत योजना में भी स्वयं सहायता समूहो की महिलाओं की भागीदारी, यदि ली जाये तो काफी इसमें भी अच्छे परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि कैम्प लगाकर संचालित योजनाओं के प्रति महिलाओं को जागरुक किया जाये। कुपोषित बच्चे का जन्म न हो, इसके लिये भी लोगों में जागरुकता लायी जाए। राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिये 5 हजार रुपये गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार देने के लिये उपलब्ध कराया जाता है, जिसके लिये वे महिलाओं को बतायें और उसका उपयोग करायें।

राज्यपाल ने सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि दहेज की मांग करना शिक्षा का मतलब नहीं हो सकता। महिलायें बीड़ा उठाये कि दहेज की मांग नही करेगीं। यदि आप ऐसा करेगी तो समाज में आपकी इज्जत बढ़ेगी। आप सब में ताकत और कौशल भी है। सही समय पर सही निर्णय करने की कुशलता आप सभी में है। बाल विवाह सहित अन्य कुरीतियों को रोकने में भी आप सभी बढ़–चढ़ कर अपनी भागीदारी निभायें। राज्यपाल ने कहा कि देश को 2025 तक क्षय रोग मुक्त किये जाने हेतु सभी लोग जागरुक हों। क्षय ग्रस्त बच्चों को गोद लें और उनका समुचित इलाज कराये। उन्हें पौष्टिक आहार के तहत मूंगफली, चना और फल दें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सहित सभी प्रबुद्वजन इस कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

राज्यपाल ने कहा कि हमें सोच बदलनी चाहिये। बच्चो व रोगियों को पौष्टिक आहार में हम क्या खिलाते है यह देखना चाहिये। सबसे ज्यादा ऐसे रोगियों को प्रेम की आवश्यकता होती है। अगर चिकित्सक ऐसे रोगियों के घर जायेगे तो घर वाले भी इनका ध्यान रखने के

लिये प्रेरित होगें। उन्होंने कहा कि स्वयं मजबूत बनें और बच्चो को भी मजबूत बनायें। इस अवसर पर राज्यपाल ने 28 रोगियों को कंबल व दवा किट आदि भी दिया।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कृषि उत्पादन संगठन एवं प्रगतिशील कृषकों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भारत का किसान सोच रहा है कि कम लागत, पानी का बचाव और रसायनिक खादों का उपयोग बन्द कर किस तरह कम लागत में अपनी उत्पादकता आय को बढा सके, उसके लिये वह कार्य कर रहा है। अपनी तरह से उसकी कीमत तय कर बाजार में उसे बेच सके इस दिशा में भी वे काम कर रहे हैं। कृषि यंत्रों के उपयोग एवं नवाचारों का प्रयोग कर किसान 2022 तक अपनी आय को दोगुनी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रिप स्प्रिगंलर द्वारा पानी की बचत, सोलर पम्प का प्रयोग कर बिजली बचत एवं जैविक व आर्गेनिक खादों का प्रयोग कर कृषि में कम लागत किया जा सकता है। किसानो से कान्ट्रेक्ट खेती की बातें सुनकर उन्होंने बताया कि नावार्ड भी इसमें कार्य कर सकता है। कृषि व पशुपालन एक दूसरे के पूरक हैं। उत्तर प्रदेश में 2 बडे प्रोजेक्ट एक वाराणसी में 10 हजार गायो का गौशाला बनाये जाने का कार्य चल रहा है और लखनऊ में भी 10 से 12 हजार गायों की क्षमता की गौशाला बनाये जाने का एम0ओ0यू0 साइन हुआ है। इन गौशालाओं के गोबर आदि से कम्पोस्ट खाद मिलेगी, जिससे किसानो को काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कृषक समृद्ध बनेंगे तो पूरा देश समृद्धशाली होगा।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण योजना के तहत केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा गरीबो को छत उपलब्ध कराने के लिये यह योजना चलाई गयी है, जिसके द्वारा गरीबो को छत मिली और उनका सपना पूरा हुआ। इसके साथ ही उन्हे उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेन्डर मिला और इस वर्ष भी एक करोड़ महिलाओ को उपलब्ध कराये जाने का बजट में प्राविधान किया गया है। उन्होने कहा कि ऐसे आवासो की छतों पर सब्जी उगाये इससे पोष्टिक आहार भी मिलेगा इसके लिये प्रशिक्षण देने की जरुरत है।

राज्यपाल ने सामाजिक सेवाओं के लिये गठित आकांक्षा समिति की सराहना करते हुए कहा कि जब कोई महिला गांव में बात बताती है, तो उसे लोग ध्यान से सुनते हैं और उन्हे लगता है कि कही हुई बात सही है तो उसे परिवार भी अमल में लाते हैं। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है, आगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लेने के लिये भी लोगो को आगे आना चाहिये। इसके लिये कालेजों को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिये। वे आंगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लें और बच्चों के लिये जो आवश्यकता है उसे उपलब्ध कराये। उन्होंने 40 वर्ष से ऊपर की महिलाओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके लिये कैम्प लगाये जाये, महिला चिकित्सक आदि भी उनका अनुश्रवण करें और ऐसी महिलाओं की जो कठिनाइयां हो उसे अस्पतालो में लाकर दूर भी करायें। इस

अवसर पर राज्यपाल ने समूह की महिलाओं को प्रमाण पत्र तथा 3 करोड 56 लाख 25 हजार का प्रतीक चेक राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत उन्हे स्वालम्बन के लिये दिया, जिसे अनामिका सिंह, रीना देवी, अर्चना सिंह आदि ने प्राप्त किया। विद्युत बिल के संग्रह हेतु समूह की महिला राधा कुशवाहा व रिन्कु देवी को थर्मल प्रिन्टर, प्रतिभा देवी व शीला देवी, रतन देवी, वर्फी देवी सहित स्वयं सहायता समूह की 5 महिलाओं को सामूदायिक शौचालय की चाबी दी गयी। इसके साथ ही राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के 5–5 लाभार्थियों को आवास की चाबी दी।

इस अवसर पर सदर विधायक सत्य प्रकाश मणि त्रिपाठी, सलेमपुर विधायक काली प्रसाद,जिलाधिकारी अमित किशोर एडीएम प्रशासन कुंवर पंकज, अपर पुलिस अधीक्षक रामयश सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष अलका सिंह, सीएमओ डा0आलोक पाण्डेय, रेडक्रास से अखिलेन्द्र शाही, हिमान्शु सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे

———

राम मनोहर त्रिपाठी राजभवन (146/12)